Paper - III

MT

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - III

Time : 3 Hours **Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) उत्तर लिखिए। **1**

i) (1) नारायणदास (2) गोबर्धनदास ।

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

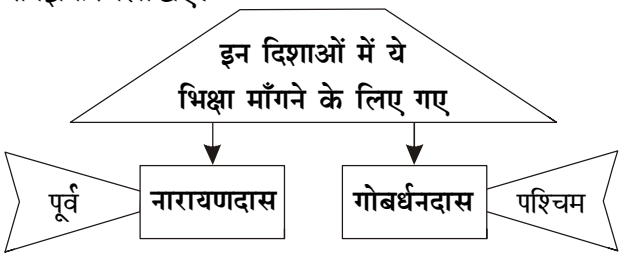

2) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

i)

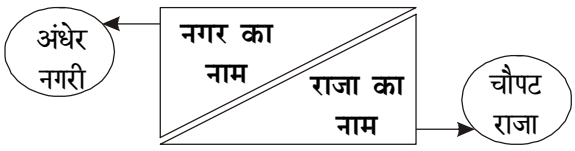

ii) **समझकर लिखिए।** **½**

अंधेर नगरी, चौपट राजा, टके सेर भाजी, टके सेर खाजा।

iii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **½**

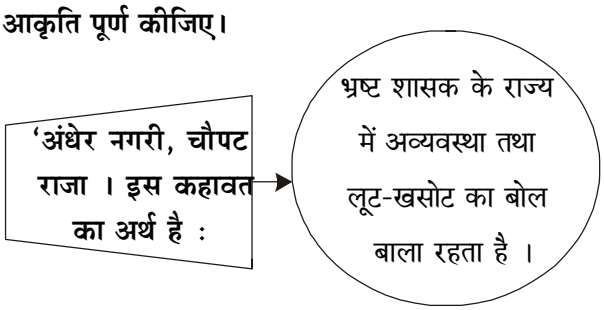

3) i) **रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए।** **1**

(1) दास → दासता

(2) दानव → दानवता

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) कुरूप × सुंदर (2) दान × भिक्षा

4) गुरु-शिष्य का संबंध एक जन्म का नहीं होता, जन्म-जन्मान्तरों का होता है। वह लौकिक नहीं, अलौकिक होता है। वह स्वार्थ का नहीं, समर्पण और करुणा का गठजोड़ जैसा होता है। जीवन-समर को पार करने के लिए सदगुरु रूपी सारथी का विशेष महत्त्व होता है। शिष्य के लिए तो गुरु साक्षात् भगवान ही होता है। वह समय-समय पर समुचित मार्गदर्शन कर शिष्य को आगे बढ़ाता रहता है। गुरु ऐसा पारस है कि शिष्य को अपने से भी श्रेष्ठ बना देता है। गुरु सर्वदा अपने शिष्य का हित ही करता है । शिष्य द्वारा गुरु के चरणों में समर्पण कर देने के बाद आगे का मार्ग गुरु स्वयं साफ कर देता है। **2**

उ.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **उत्तर लिखिए।** **½**

(1) **ऐसी थी टीना की कार** → चमचमाती व लाल रंग की

(2) **एक नि: श्वास छोड़ा इन्होंने** → विनायक बाबू ने **½**

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) लाल जोड़े में सजी दुल्हन से कार की तुलना की गई है।

(2) खुरदरे स्वर में बातें करना ।

2) i) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) सत्य (2) असत्य

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) **ताला -** साइकिल स्टैंड के गेट पर क्या लगा था ?

(2) **गनपत -** विनायक बाबू के अनुसार कौन ड्रग्स लेता है ?

3) i) **पहेली में से समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) जेहन - दिमाग (2) लाल - सुर्ख

ii) **रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए।** **1**

(1) शक → बेशक

(2) मतलब → बेमतलब

4) यह बात किसी से छुपी नहीं है कि युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति बहुत ही तेजी से बढ़ी है । आज के युवक नशा करना अपना शौक समझते हैं । यह शौक उनकी आदत बन जाती है । नशे की गिरफ्त में आए युवक जब अपना मन चाहा नशा नहीं कर पाते हैं तो, कचरा बीनने, चोरी करने के कार्यों में लिप्त हो जाते हैं। कभी - कभी तो वे आयोडेक्स,पेट्रोल, केरोसीन का सेवन कर अपने नशे की प्यास बुझाते हैं । जिनसे उनको भयानक बीमारी हो जाती है और वे कम उम्र में तड़प - तड़प कर दम तोड़ देते हैं । **2**

उ.1. **(ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) **समझकर लिखिए।** **1**

i) पौष्टिक भोजन ii) व्यायाम

2) **उत्तर लिखिए।** **1**

i) शरीर में शुद्ध रक्त का संचार होना। ii) भोजन का ठीक से पचना। iii) शरीर का पुष्ट बन जाना। iv) मस्तिष्क का स्वस्थ रहना।

3) व्यायाम से मानसिक तनाव और थकान मिटती है। शरीर का रक्त शुद्ध हो जाता है तथा पूरे शरीर में ताजगी आती है। व्यायाम यदि खुले स्थान में या किसी पार्क में किया जाए तो अधिक लाभ मिलता है। फेफड़ों को शुद्ध वायु पर्याप्त मात्र में मिलती है। पेशियों और अस्थियों को ताकत मिलती है। शरीर का दर्द और ऐंठन मिट जाती है। ज्ञानेन्द्रियों में सजगता आती है। संपूर्ण शरीर प्राकृतिक दशा में कार्य करने लगता है। शारीरिक दुर्बलता और सुस्ती समाप्त हो जाती है। इस तरह व्यायाम के प्रभाव से शरीर में नवजीवन का संचार होता है। बूढ़े और बीमार लोग भी अपने भीतर स्फूर्ति का अनुभव करने लगते हैं। **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. **(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **2**

1) i) भ्रष्टाचार ii) असमानता

iii) अन्याय / अत्याचार iv) शोषण

2) i) (1) हिंद के बहादुरों **1**
(2) शूरवीर बालकों

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**
(1) देश की मशाल थामने के लिए।
(2) बालकों को बुराइयों और अज्ञानरूपी अंधकार के गरूर को तोड़ना है।

3) i) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**
(1) अंधकार × प्रकाश (2) शूरवीर × कायर

ii) **समानार्थी शब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**
(1) घमंड - गुरुर (2) उदाहरण - मिसाल

4) कवि नई पीढ़ी के कंधों पर देश की बागडोर सौंपते हुए उसे नई दिशा देकर विजय अभियान के साथ प्रगतिपथ पर ले जाने के भाव की प्रेरणा दे रहे हैं। कवि इस पद्यांश में स्पष्ट कर रहे हैं कि हिंद के बहादुर, शूरवीर बालकों, तुम चमक-धमक, शान-ओ- शौकत की जिंदगी को तोड़ दो। अंधकार के गुरूर को भी छोड़ दो ताकि भविष्य के बच्चों के सामने तुम मिसाल छोड़ सको कि तुमने राष्ट्रहित के लिए, निडर, दृढ़चित्त होकर देश को सँभाला था। आज वर्तमान देश को नई-नई दिशा दो ताकि देश को आजादी सुचारू रूप में मिल सके। **1**

उ.2. (छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **चौखट पूर्ण कीजिए।** **1**

ii) **समझकर लिखिए।** **1**
(1) 'भ्रष्टाचार चारों ओर फैला हुआ है।
(2) हर किसी का पाँव घुटनों तक सना है।

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**
(1) सड़क पर कीचड़ बिछा हुआ है।
(2) संसद।

ii) (1) **वर्तुल पूर्ण कीजिए।** ½

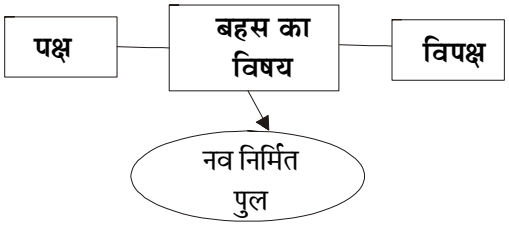

(2) **समझकर लिखिए।** ½

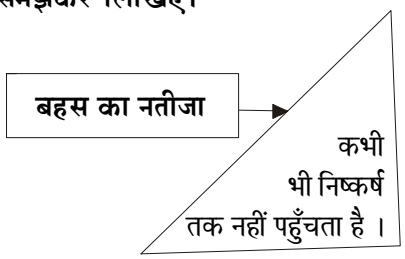

3) i) **शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) पुल - पुल्लिंग (2) संसद - स्त्रीलिंग

ii) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।** **1**

(1) पाव - पाँव (2) सन्सद - संसद

4) कवि दुष्यंत कुमार ने अपनी कविता को माध्यम बनाकर आज की घिनौनी मानसिकतावाली राजनीति का वर्णन किया है। वे कहते है कि सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है कि हर किसी का पाँव घुटनों तक सन गया है। कहने का तात्पर्य यही है कि आज के नेता भी आम आदमी की नहीं सुनते। वे भी औरों की तरह सिर्फ पैसा, प्रसिद्धि और शौक के लिए राजनीति कर रहे हैं। उन्हें आम जनता से कोई लेना-देना नहीं है। सभी राजनेता एक ही थैली के चट्टे-बट्टे बन गए हैं और अपना मतलब निकाल रहे हैं। **2**

विभाग - 3 - पूरक पठन

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

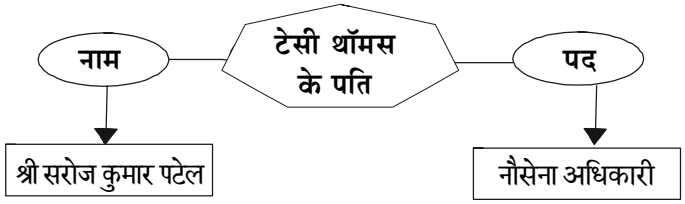

	ii) **समझकर लिखिए।** (1) अबला - जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आँचल में है दूध और आँखों में पानी! (2) अग्नि मिसाईल V लाँच की प्रोजेक्ट डायरेक्टर।	1
2)	विज्ञान एवं तकनीक के इस युग में नारी ने जीवन के हरेक क्षेत्र में अपने आपको सफल साबित किया है। अर्थ, राजनीति, समाजसेवा, विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, कला, क्रीड़ा आदि क्षेत्रों में नारी ने ऊँचा स्थान प्राप्त कर लिया है। कल्पना चावला के रूप में वह अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनकर अंतरिक्ष में जा रही है। संगीत के क्षेत्र में वह लता-आशा बनकर सबको अपनी आवाज से मंत्रमुग्ध कर रही है। पी.टी.उषा बनकर वह दौड़ परी का खिताब हासिल कर रही है। आज ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं, जिसे नारी की प्रतिभा ने स्पर्श नहीं किया हो।	2
	विभाग - 4 - व्याकरण	
उ.4.	**सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **जरूरत** पड़े तो याद करना ।	½
	ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए।** मधुरता - संज्ञा ।	½
2)	**निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए।** एक तरफ नरक है और **दूसरी** तरफ **तुम्हारे** जिम्मे थोड़ा - सा खर्च	1
3)	i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** लगना - वह झोपड़ी में रहने लगी ।	½
	ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए।** सकी (सकना) - सहायक क्रिया ।	½
4)	**प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए।** **क्रिया** — **प्रथम प्रेरणार्थक** — **द्वितीय प्रेरणार्थक** तोड़ना — तुड़ाना — तुड़वाना	1
5)	i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** यहीं - **यहीं** पहले एक पेड़ था ।	1
	ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** भी - क्रियाविशेषण अव्यय	1

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**

i) गरम पानी ग्यारह बजे पहुँचाने का आदेश होता है ।

ii) पानी तो हमने उसमें भर लिया है ।

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**

मस्तक नवाना - सिर झुकाना ।

वाक्य : बहादुर सैनिक दुश्मन के सामने कभी **मस्तक नहीं नवाते ।**

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

शिकारी के जाल में फँसी हुई चिड़िया की **जान के लाले पड़ गए ।**

विभाग - 5 - रचना

उ.**5.** **सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखक अपेक्षित है :** **5**

1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।**

दिलीप चौधरी
15 - अ, शिवपुरी,
नाशिक ।
दिनांक - 06 अक्टूबर,2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
महात्मा गांधी विद्यालय,
महात्मा गांधी रोड,
नाशिक ।

विषय : चार दिन की छुट्टी के लिए आवेदन पत्र ।

माननीय महोदय,

मैं दिलीप चौधरी, कक्षा दसवीं 'अ' में पढ़नेवाला छात्र हूँ । मेरा उपस्थिति क्रं. 21 है । नाशिक में 8 अक्टूबर 2017 से 11 अक्टूबर 2017 तक राज्यस्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है । इस प्रतियोगिता में राज्य भर से चुने हुए खिलाड़ी भाग लेने आ रहे हैं । मैं भी इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता हूँ ।

अत: आप से प्रार्थना है कि आप हमें इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दि. 8 अक्टूबर 2017 से 11 अक्टूबर 2017 तक अवकाश देने का कष्ट करें । इन दिनों में पढ़ाई का जो नुकसान होगा, मैं उसे पूरा कर लूँगा ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

आपका आज्ञाकारी छात्र,
दिलीप चौधरी ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
महात्मा गांधी विद्यालय,
महात्मा गांधी रोड,
नाशिक ।

प्रेषक
दिलीप चौधरी
15 - अ, शिवपुरी,
नाशिक ।

अथवा

मिथिल शिंदे,
(छात्र प्रतिनिधि)
प्रबोधिनी विद्यालय,
जयसिंगपुर ।
दिनांक - 06 अक्टूबर,2017

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
क्वालिटी स्पोर्ट्स,
तिलक रोड, पूणे ।

विषय : <u>क्रीड़ा साहित्य न पहुँचने के संदर्भ में शिकायत पत्र ।</u>

माननीय महोदय,

बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आपके क्वालिटी स्पोर्ट्स से क्रीड़ा साहित्य मँगवाने के लिए हमने आप को एक सूची भेजी थी । आपके द्वारा भेजी गई साहित्य (सामग्री) कल ही हमें प्राप्त हुई परंतु उसमें सूचीनुसार साहित्य नहीं है । हमारे लिखे हुए साहित्य की जगह पर आप ने कुछ और ही साहित्य भेज दिया है । मैं आपके द्वारा गलत भेजी गई साहित्य और उसके कैशमेमों का झेराक्स आपको वापस भेज रहा हूँ ।

कृपया आप हमारे सूचीनुसार क्रीड़ा साहित्य जल्द से जल्द भेजने का कष्ट करें ।

धन्यवाद !

भवदीय,
मिथिल शिंदे ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
क्वालिटी स्पोर्ट्स,
तिलक रोड, पूणे ।

प्रेषक
मिथिल शिंदे
(छात्र प्रतिनिधि)
प्रबोधिनी विद्यालय,
जयसिंगपुर ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए। **5**

'बचत का महत्त्व'

सुबोध नाम का एक मजदूर था । वह सुबह से शाम तक मजदूरी करता । शाम को काम से छूटने पर उसे जो पैसा मिलता उसी पैसे से बनिए की दूकान से चावल खरीदता । चावल लेकर घर आता उसे बनाता और खाता । वह ऐसे ही नित्य मजदूरी करता और अपना भेट भरता था ।

एक दिन बनिए ने सुबोध को सलाह देते हुए कहा कि तुम बचत करना सीखो । रोज चावल में से थोड़ा सा चावल निकाल कर रख लिया करो । जब कभी किसी कारण बस तुम काम पर नहीं जापाओगे तब यह चावल तुम्हें खाने के काम आएगा । सुबोध ने बनिए की बात को अनसुना कर दिया । अब बनिया मजदूर को चावल देते समय खुद ही उसमें से एक मुट्ठी चावल निकाल कर अलग रख लेता ।

कुछ दिनों के बाद सुबोध अचानक किसी कारण वस काम पर नहीं जा सका । शाम को बनिए की दूकान पर वह चावल उधार लेने पहुँचा ।

बनिए ने उसे दो किलो चावल सौंपते हुए कहा, ''उधार की कोई जरुरत नहीं । यह आपका ही चावल है जिसे हमने बचा कर रखा था ।'' मजदूर को बड़ा आश्चर्य हुआ और उसने भी बचत करने का प्रण लिया ।

सीख : इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें अपनी आमदनी में से थोड़ा बचत करके रखना चाहिए जो हमारे मुश्किल दिनों में काम आए ।

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके। **5**

(i) संसार में कौन - सी तीन बातें बड़ी महत्तवपूर्ण हैं ?

(ii) किस ज्ञान को प्राप्त कर तुम संसार के किसी भी कोने में जाओगे तो अपना निर्वाह कर सकोगे ?

(iii) अक्षर ज्ञान किसलिए होता है ?

(iv) हमें क्या याद रखना है ?

(v) अमीरी और गरीबी की तुलना में कौन अधिक सुखद है ?

उ.6	**1) प्रसंग लेखन। (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** उस दिन मैं मेरे मित्रों के साथ घुमने गया था । अचानक एक वृद्ध व्यक्ति चक्कर खाकर गिर पड़ा । मैंने उसे नीचे गिरते हुए देखा । मुझसे रहा नहीं गया और मैं तुरंत उस वृद्ध व्यक्ति के पास पहुँचा । मेरे पास सौभाग्यवश पानी की बोतल थी । मैंने न आव देखा न ताव बोतल का पानी उसके मुँह पर छिड़का । इस कारण उस वृद्ध को होश आ गया । तब तक सड़क पर आने - जानेवाले कई लोग वहाँ पर इकट्ठा हो गए । मैंने उस वृद्ध के सिर को अपनी गोदी में रखकर उसे पानी पिलाया । वृद्ध ने पानी के एक दो घूँट पी लिए । सड़क पर इकट्ठा हुए लोगों ने वृद्ध को एक मोटर गाड़ी में बिठाकर अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया । गाड़ी में बैठकर अस्पताल जाते समय वृद्ध ने मेरे हाथों को चूमते हुए कहा, ''भगवान तुम्हारा भला करे, बेटा ।'' उस वक्त मुझे जो प्रसन्नता हुई थी । उसका वर्णन करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं है ।	5
	2) विज्ञापन लेखन। (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **'व्याख्यानमाला का आयोजन''** कालीदास हाल, पी.के.रोड., मुलुंड (पश्चिम) दिनांक 10 अक्टूबर 2017 **समय -** शाम के 5 बजे से 7 बजे तक । **मुख्य अतिथि -** माननीय मुख्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार । आप सभी से निवेदन है कि सही समय पर पहुँच कर व्याख्यानमाला का लाभ उठाएँ । **धन्यवाद ! धन्यवाद ! धन्यवाद !**	5
	3) स्वमत : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) ऐतिहासिक स्थल पर अस्वच्छता व दुरावस्था को देखकर मेरे मन में विचार आया कि आज भी हमारे देश में लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं हैं । सरकार की तरफ से रोज सफाई अभियान चलाया जा रहा है । फिर भी हम स्वच्छता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं । विशेषकर सार्वजनिक जगहों जैसे - अस्पतालों, रेल्वेस्टेशनों, विद्यालयों तथा पर्यटन स्थलों पर जहाँ लोगों की भीड़ जमा होती है । हमें गंदगी बिल्कुल नहीं करनी चाहिए । कागज के टुकड़े, पानी की खाली बोतलें, खाद्य सामग्री, तथा फलों के छिलके आदि कूड़ेदान में डालना चाहिए । दीवारों तथा आसपास के खाली जगहों पर पान, गुटके आदि खा कर नहीं थूँकना चाहिए । यदि हम ध्यान नहीं देंगे तो आने वाले समय में कॉलरा, टायफाइड, मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों का प्रकोप और अधिक बढ़ जाएगा ।	5

❖❖❖❖